➢Postal Regd. No. MCN/298/2016-2018 ➢RNI No. MAHMUL/2015/65928
गऊ वंश पर आधारित प्रथम राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचार पत्र हिंदी, अंग्रेजी और गुजराती भाषा में।
www.gaubharatbharati.com
संपादक - संजय शर्मा

गऊ भारत भारती

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पालघर, नाशिक, पुणे, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, गुजरात में वितरित

मूल्य २/- रुपये

● Email: gaubharatbharti@gmail.com ● वर्ष- 7 ● अंक- 35 ● मुंबई, रविवार 13 फरवरी 2022 से 19 फरवरी 2022 ● पृष्ठ- 4

Deepak Farsan Mart Kurla
दीपक फरसाण मार्ट कुर्ला
595, Pipe Road, Opposite Deepak Farsan, Kurla (W), Kurla West, Kurla, Mumbai, Maharashtra 400070 Phone: 098195 52117

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के १० जनपदों में गोमूत्र से होगी प्राकृतिक खेती

जनपद हापुड़ सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश के १० जिलों में गोमूत्र और गोबर से प्राकृतिक खेती की जाएगी। कृषि विज्ञान केंद्रों पर देसी गाय के माध्यम से जीवामृत घोल तैयार किया जाएगा। गो आधारित प्राकृतिक खेती से ना केवल उत्पादकता बढ़ेगी, बल्कि सेहत के लिए भी यह काफी फायदेमंद साबित होगी। हापुड़ में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र को भी एक देसी गाय मिली है। कृषि विज्ञान केंद्र के अधिकारियों का कहना है कि वेस्ट यूपी के १० जिलों में पहले गोमूत्र से प्राकृतिक खेती कराए जाने की योजना है। जुलाई के महीने से जब खरीफ फसल का सीजन शुरू होगा तब इस प्रयोग को अमलीजामा पहनाया जाएगा। रासायनिक तत्वों का धड़ाधड़ प्रयोग खेती को बेकार कर रहा है। इन तत्वों से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए गो आधारित प्राकृतिक खेती अस्तित्व में लाने की योजना तैयार की गई है। कई कृषि विज्ञान केंद्रों पर इस योजना के लिए प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है। बेहतर परिणाम आने के बाद कृषि विज्ञान केंद्रों को देसी गाय उपलब्ध कराई गई हैं। गो

आधारित प्राकृतिक खेती से जमीन की उपजाऊ शक्ति और उत्पादन तो बढ़ेगी ही यह स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद साबित होगी। काफी लागत लगाने के बाद भी फसलों का उत्पादन कम हो रहा है। लोगों के भी स्वास्थ्य पर इसका बुरा असर हो रहा है। रासायनिक उर्वरा के प्रयोग से लोग विभिन्न बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। इस प्रकार से तैयार किया जाएगा जीवामृत- १० लीटर गोमूत्र, १० किलो गाय का गोबर, एक किलो उर्वरा मिट्टी, पांच सौ ग्राम दलहन का बेसन व पांच सौ ग्राम गुड़ को एक साथ मिलाकर एक सप्ताह के लिए छोड़ दिया जाएगा। पहला घोल रोपाई के समय प्रयोग किया जाएगा। जबकि सप्ताह भर बाद पुराने जीवामृत घोल को कपड़े में छानकर स्प्रेयर मशीन से फसल में छिड़काव किया जाएगा। २०० लीटर का घोल एक एकड़ फसल के लिए पर्याप्त होगा। इन दस जिलों का किया गया है चयन- हापुड़, बुलंदशहर, गाजियाबाद, सहारनपुर, शामली, रामपुर, गौतमबुद्ध नगर, शाहजहांपुर, बागपत और बदायूं का चयन प्राकृतिक खेती के लिए किया गया है। इन सभी जिलों में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र को देसी गाय उपलब्ध कराई गई है।

क्या कहते हैं विज्ञानी सरकार की पहल पर अब किसानों को गो आधारित प्राकृतिक खेती की ओर काफी लगाव बढ़ा है। गो आधारित प्राकृतिक खेती से जमीन की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी। जबकि रासायनिक उर्वरकों के मुकाबले कम खर्च भी आएगा। गो आधारित खेती से बीमारियों से छुटकारा भी मिलेगा।

संक्षिप्त खबरें

तलाक के डर से पाकिस्तानी महिला ने माथे पर कील ठुकवा ली

एक बेटे की चाहत और पति के छोड़ देने के डर के कारण पेशावर की एक महिला ने एक फर्जी पीर बाबा के कहने पर अपने सिर पर कील गाड़ ली है। ताकि वह एक बेटे को जन्म दे सके। अब जिंदगी और मौत के बीच झूल रही इस महिला को पेशावर के अस्पताल में भर्ती कराया गया

है।डान अखबार के मुताबिक, खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक महिला ने अपने सिर में कील ठोक ली। इसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला की तस्वीरें जब सोशल मीडिया पर वायरल हुईं तो पेशावर पुलिस ने इस मामले में संज्ञान लिया।अस्पताल के कर्मचारियों ने बताया कि महिला की तीन बेटियां हैं। पति ने महिला को धमकी दी थी कि अगर उसे अगली बार भी बेटी हुई तो वह उसे छोड़ देगा। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि महिला तीन माह की गर्भवती है। ऐसे में उसे डर था कि कहीं इस बार भी उसे बेटी न हो जाए।बेटे की चाहत और पति के छोड़ने के डर के कारण महिला एक पीर के पास गई। उस नकली पीर ने महिला को एक ताबीज, पढ़ने के लिए कुछ चीजें और एक कील दी। महिला वहां से घर लौटी और अपने सिर में कील ठोक ली। जब महिला दर्द से कहराने लगी तो परिवार के सदस्यों को घटना का पता चला। परिजनों ने उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया।

जल्द ही BSE के अंदर जा सकेंगे पर्यटक

महाराष्ट्र के पर्यटन और पर्यावरण मंत्री, आदित्य ठाकरे ने बीएसई का दौरा किया और ँएँ ध्ँ आशीष चौहान के साथ बातचीत की। बताया जा रहा है की संभवतः यह बात महाराष्ट्र के स्कूलों में वित्तीय साक्षरता कक्षाएं शुरू करने के बारे में हो सकती है।

ठाकरे ने ट्विटर पर विस्तार से बताया कि बृहन्मुंबई

नगर निगम मुख्यालय और बॉम्बे उच्च न्यायालय के निर्देशित दौरों के साथ साथ अधिकारी कई ऐसी इमारतो की योजनाएं बना रहे है जहा मुंबई में आनेवाले पर्यटको को घुमाया जा सके। आदित्य ठाकरे का कहना है की इससे वे भारत की संपत्ति-निर्माण की यात्रा में बीएसई के योगदान को समझने में सक्षम होंगे। उनके ट्वीट में लिखा था, 'बीएमसी मुख्यालय और उच्च न्यायालय के निर्देशित दौरों की तरह, अब हम एक निश्चित मात्रा में पर्यटन की योजना पर काम कर रहे हैं जो इमारत का दौरा कर सके और हमारे देश की संपत्ति में बीएसई के शानदार योगदान के बारे में जान सके।

बीएमसी मुख्यालय में कोई भी पर्यटक जा सकता है और इस भव्य विरासत संरचना को देखने और समझने का आनंद ले सकता है। यह कदम हेरिटेज टूर संयुक्त रूप से नागरिक प्राधिकरण और महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम (एमटीडीसी) द्वारा लिया गया है।

सागवाड़ा में गौ सेवा समिति की कार्यकारिणी का शपथ समारोह, लोगों ने गायों की सेवा करने का लिया संकल्प

जिले के सागवाड़ा में स्थित वन विहार वाटिका में डूंगरपुर गौ सेवा समिति की जिला स्तरीय कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ. समारोह में समिति के संरक्षक कमलेश शास्त्री ने जहां नई कार्यकारिणी को उनके पद की शपथ दिलाई वहीं, समारोह में मौजूद लोगों को गौ सेवा का संकल्प दिलाया. वन विहार वाटिका में आयोजित गौ सेवा समिति की कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह के मुख्य अतिथि गायत्री शक्तिपीठ के भूपेन्द्र पंड्या रहे. वहीं, समारोह की अध्यक्षता समिति के संरक्षक कमलेश शास्त्री रहे. समारोह में संरक्षक शास्त्री ने गौ सेवा समिति की जिला कार्यकारिणी को शपथ दिलाई. वहीं, समारोह में मौजूद लोगो को गौ सेवा की शपथ दिलाई . इस मौके पर संरक्षक

कमलेश शास्त्री ने कहा कि गौ माता के लिए त्याग और समर्पण भाव से समिति के सदस्यों को काम करना चाहिए. इस दौरान शास्त्री ने बताया कि गोशाला के लिए गोचर, चरागाह भूमि का उपयोग केवल गौ चरने के लिए होना चाहिए साथ ही गोचर भूमि अतिक्रमण मुक्त होनी चाहिए. इस अवसर पर शास्त्री ने सदस्यों को बताया कि गौ सेवा ही राष्ट्र सेवा है और गौशालाओं में गो माता के भोजन और सार संभाल की जिम्मेदारी होनी चाहिए . वहीं, गौशालाओं में सभी गायों की सुख सुविधाओं का ध्यान रखते हुए आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था करनी आवश्यक है. अपने उद्बोधन में शास्त्री ने बताया कि दुःख इस बात का भी होता है कि लोग गाय को आवारा भटकने के लिए बाजारों में छोड़ देते है. उन्हें इनके भूख प्यास की कोई चिंता ही नहीं होती. लोगों को चाहिए की यदि गाय पालने का शौक है तो उनकी देखभाल भी आवश्यक है, क्योंकि गाय हमारी माता है एवं गौ रक्षा करना हमारा परम कर्तव्य है. गौ माता का महत्व हमें समझना होगा तथा गौ संवर्धन की रक्षा हमें करनी होगी.

गोरक्षा सेवा दल की टीम ने गायों से भरा कैंटर को पकड़ा

हांसी : गोरक्षा सेवा दल की टीम ने गायों से भरे एक कैंटर को पकड़ लिया। कैंटर चालक मौके का फायदा उठाकर वहां से फरार हो गया। गोरक्षा दल की टीम ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने कैंटर को अपने कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस को दी गई शिकायत में जिला अध्यक्ष गोरक्षा दल अनिल आर्य ने बताया कि उसे सूचना मिली थी कि हिसार की ओर से एक कैंटर जिसमें गोवंशी से भरा हुआ है और गाड़ी चालक इन गौ वंश को वध के लिए ले जा रहा है। सूचना मिलने पर वह अपने दोस्तों के साथ गाड़ी में सवार होकर हाईवे पर पहुंच गया। जिसकी सूचना उन्होंने

११२ नंबर को भी दे दी। कुछ देर बाद उन्हें हिसार की ओर से एक कैंटर आती हुई दिखाई दी। जिसको गोरक्षा दल की टीम के द्वारा रुकवा लिया गया, परंतु मौके देखते ही गाड़ी चालक गाड़ी को मौके पर छोड़कर वहां से फरार हो गया। जब गाड़ी की तलाशी ली गई तो गाड़ी में १२ गायों को ठूस-ठूस कर भरा हुआ था। बाद में गोरक्षा टीम पर सभी गायों को गऊ शाला छोड़ दिया गया। पुलिस ने कैंटर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिकारियों ने नील गाय को मारी गोली, एक को पकड़कर गोरक्षा दल के सदस्य ने पुलिस को सौंपा

नरवाना (जींद)- नील गाय व अन्य बेसहारा पशु को खेतों में घूसने से रोकने के लिए रखवाली की आड़ में शिकारियों ने गोली मारी। शिकारियों ने एक नील गाय को गोलियां मारकर हत्या कर दी। नील गाय को मारने के बाद मौके से मोटरसाइकिल पर भाग रहे तीन शिकारियों में से एक को किसानों ने पकड़ लिया। नील गाय की हत्या करने के बाद गो रक्षा दल के अमित वर्मा को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शिकारी को काबू किया और उसको अपने साथ सदर थाना ले गई। गो रक्षा दल के

सदस्य अमित वर्मा ने बताया कि उनको सूचना मिली कि गांव भाणा ब्राह्मण के खेतों में तीन शिकारियों ने एक नील गाय की गोलियां हत्या कर दी है। वे सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे, तो देखा कि खेतों में एक नील गाय मरी पड़ी थी, जिसके शरीर पर चार गोलियों के निशान दिखाई दिए। किसानों द्वारा पकड़े गए आरोपित की पहचान नरवाना निवासी जसबीर के रूप में हुई व फरार हुए दो आरोपित गांव गुरूसर के रहने वाले है। मौके पर पहुंचे वाइल्ड लाइफ के इंस्पेक्टर मनबीर खटकड़ ने बताया कि मृतक नील गाय का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा और उसको बाद में दफना दिया जायेगा। गोरक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने बताया कि तीन दिन पहले ही आरोपितों ने गुरुसर में एक नील गाय को गोली मारी थी। आरोपित दिन में गोली मारकर नील गाय को मार देते और रात को उसको उठाकर लेकर जाते थे। जहां पर आरोपित नील गाय का मांस खाने के साथ उसको बेचने का भी काम करते हैं। इंसपेक्टर मनबीर खटकड़ ने बताया कि वन्य जीव को मारना आपराधिक मामला है। जिसके तहत अपराधी को ५ वर्ष तक की कैद व २५ हजार रूपये का जुर्माना हो सकता है।

आखिर क्यों जीवन में एक बार गाय का दान है जरूरी?

नई दिल्ली: हिंदू धर्म में दान को पुण्य कर्म कहा गया है. धार्मिक मान्यता के मुताबिक हर व्यक्ति को अपने सामर्थ्य के अनुसार दान करते रहना चाहिए. मान्यता है कि दान करने से कुंडली के ग्रह शांत रहते हैं. ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, अगर कोई इंसान ग्रहों की स्थिति के आधार पर दान करता है तो जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है. जानते हैं कि गाय का दान क्यों जरूरी बताया गया है.

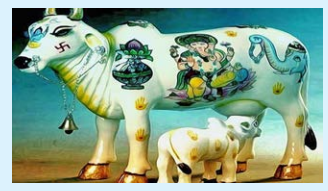

दान अनेक प्रकार के होते हैं. अलग-अलग मनोकामना की पूर्ति के लिए अलग-अलग वस्तुओं के दान का विधान है. शास्त्रों में गोदान या गाय के दान को कल्याणकारी बताया गया है. धार्मिक मान्यता है कि हर इंसान को जीवन में एक बार गाय का

दान जरूर करना चाहिए. ऐसा इसलिए, क्योंकि इससे मोक्ष की प्राप्ति होती है. साथ ही पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही पितृ दोष का भी निवारण होता है. पुराणों के मुताबिक ब्राह्मण को किया गया गाय का दान ही उपयुक्त और श्रेष्ठ है. गाय का दान किसी अंगहीन को नहीं करना चाहिए. जो यज्ञ करवा सकता हो, जिसका परिवार भरा पूरा हो और जिसकी पत्नी जीवित हो उसे ही गोदान का अधिकारी माना गया है. शांत और सदाचरी ब्राह्मण को ही गोदान करना चाहिए. धार्मिक ग्रंथो के मुताबिक गाय के अंगों में देवी-देवताओं का वास होता है. ऐसे में गाय को दान करने से पहले उनका श्रृंगार किया जाता है. मान्यता है कि गाय के सींगों में ब्रह्मा और विष्णु निवास करते हैं. इसके अलावा गाय के सिर में शिव, माथे पर गौरी और नथनों में कार्तिकेय का वास होता है.

भारत -नेपाल में रेल सेवाओं के विस्तार पर सहमति

नेपाल और भारत ने गुरुवार को जयनगर-कुर्था सेक्शन पर यात्री ट्रेनों के जल्द से जल्द संचालन को लेकर सहमति जताई है। दोनों देशों ने इस रेल खंड पर ट्रेनों के संचालन से जुड़े स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर पर हस्ताक्षर भी किए हैं। इसमें जयनगर भारत में जबकि कुर्था नेपाल में स्थित है। इसके अलावा भारत और नेपाल ने रक्सौल से काठमांडू के बीच प्रस्तावित ब्रॉड गेज रेलवे लाइन के फाइनल लोकेशन सर्वे को लेकर एमओयू पर भी साइन किया है।भारत और नेपाल के बीच ६ और ७ अक्टूबर को आयोजित ५वें संयुक्त कार्य समूह (ॅ्ळ) और ७वीं परियोजना संचालन समिति (झ्एण) की बैठकों में रक्सौल-काठमांडू रेल लाइन पर भी बनी सहमति बनी थी।

विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा है कि दोनों पक्षों ने सीमा पार

से चल रहे रेलवे लिंक के कार्यान्वयन और रेलवे क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की।मंत्रालय ने अपने बयान में बताया है कि एसओपी के जरिए जयनगर-कुर्था सेक्शन पर यात्री ट्रेनों को चलाने के तकनीकी पहलू पर सहमति बनी है। यह नेपाल के साथ क्रास बॉर्डर रेलवे लिंक में रेल सेवाओं को जल्द शुरू करने के लिए एक मार्गदर्शक दस्तावेज के रूप में काम करेगा। भारत ने यह भी कहा है कि प्रस्तावित रक्सौल-काठमांडू ब्रॉड गेज रेलवे लाइन दोनों देशों के बीच कनेक्टिविटी को और बढ़ावा देगी

इसके अलावा दोनों देशों ने भारत सरकार के अनुदान से विकसित की जा रही जयनगर-बिजलपुरा-बरदीबास और जोगबनी-विराटनगर ब्रॉड गेज रेलवे लाइनों के चल रहे कार्यों पर चर्चा की। जयनगर (भारत) से कुर्था (नेपाल) तक रेलवे लाइन ३४ किलोमीटर लंबी है। इस रेललाइन पर ट्रेनों के संचालन से भारत और नेपाल दोनों देशों ने लाखों नागरिकों को फायदा होगा।नेपाली पक्ष ने यह भी बताया कि शीघ्र संचालन की सुविधा के लिए आवश्यक नियामक ढांचा तैयार किया जाएगा। रेलवे लाइन के कुर्था से बिलाजपुरा (१७.२५ किमी) खंड के लिए। नेपाल ने जल्द से जल्द काम पूरा करने के लिए आवश्यक सुविधा प्रदान करने का आश्वासन दिया। दोनों पक्षों ने १८.६ किलोमीटर लंबे जोगबेंट-ने यूएलडी विराटनगर रेल लिंक को पूरा करने और इसके शीघ्र संचालन के काम में तेजी लाने पर भी सहमति व्यक्त की।

निराश्रित पशुओं के लिए २७ गोआश्रय केंद्र संचालित

गाजीपुर। जनपद में इस समय २७ गोआश्रय स्थल संचालित हो रहा हैं, इसके बावजूद शहर से लेकर गांव तक बेसहारा पशुओं से लोग परेशान हैं। बेसहारा पशुओं की बेतहाशा बढ़ती संख्या को देखते हुए निराश्रित पशुओं को रखने के लिए पशु विभाग की ओर से एक वृहद व तीन छोटा अस्थायी केंद्र बनाए

जाएंगे। इसके लिए विभाग की ओर से भूमि चिह्नित की जा रही है। वृहद गोआश्रय केंद्र बनाने के लिए एक करोड़ ४२ लाख रूपया खर्च किया जाएगा। छोटा निराश्रित पशुओं को रखने के लिए तीन अस्थायी केंद्र बनेगें। इन्हें बनाने में मनरेगा समेत अन्य निधियों से बजट खर्च होगा। इनकी देखरेख का जिम्मा भी ग्राम पंचायतों के पास ही रहेगा। जिला मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने बताया कि जनपद में २७ गो आश्रय केंद्र संचालित हो रहे है। शासन के निर्देश पर एक वृहद व तीन छोटा गोआश्रय केंद्र बनाए जाएंगे। इसमें वृहद गोआश्रय केंद्र बनाने के लिए स्थान चिंहित कर लिया गया है।। वहीं तीन छोटे पशु निराश्रित आश्रय केंद्र बनाने के लिए स्थान चिंहित किया जा रहा है। इन केंद्रों के बनने बाद निराश्रित पशुओं से राहत मिलेगी।

पशुपति मंदिर में सबको पूजा की अनुमति

काठमांडू- कोरोना वायरस (कोभीड–१९) की तीसरे लहर शुरु होने के बाद बंद पशुपतिनाथ मन्दिर कल शुक्रबार से खुला करने की तैयारी हो रही है। पशुपति क्षेत्र विकास कोष के सदस्य सचिव डा. मिलनकुमार थापा ने इस बात की पुष्टी की है। उनके अनुसार विश्‍व स्वास्थ्य संगठन और नेपाल सरकार द्वारा निर्धारित मापदण्ड को पालना करते हुए कल से मन्दिर खुला किया जा रहा है।

कोरोना संक्रमण को मध्यनजर नजर करते हुए गत माघ ५ गते से मंदिर बंद किया गया था, लेकिन नित्य पूजा जारी ही थी। जब माघ २३ गते जिला प्रशासन कार्यालय काठमांडू ने मठ, मन्दिर, मस्जिद, गुम्बा, चर्च जैसे क्षेत्र जनस्वास्थ्य मापदण्ड पालन कर पूजा, ध्यान तथा प्रार्थना के लिए खुला करने के लिए विकल्प दिया, तब पशुपति क्षेत्र विकास कोष ने भी पशुपतिनाथ मन्दिर को खुला करने की तैयारी की थी। मापदण्ड अनुसार एक समय में ५० से अधिक लोग इकठ्ठा होने के लिए मना है।

धारावी में बना भारत का सबसे बड़ा शौचालय

मुंबई के पालक मंत्री आदित्य ठाकरे ने बुधवार, ९ फरवरी को धारावी में एक सुविधा केंद्र का शुभारंभ किया, जिसमें १११ शौचालय सीटें हैं। जो इसे भारत का सबसे बड़ा सामुदायिक शौचालय ब्लॉक बनाता है। इस केंद्र से ५०,००० से अधिक निवासियों को स्नान की सुविधा, आरओ पीने का पानी, कपड़े धोने की सेवा आदि का लाभ मिलेगा। इसके अलावा, नागरिकों को केंद्र में स्वच्छता पर शिक्षा भी दी जाएगी। इसे महिलाओं और लड़कियों के लिए अलग-अलग प्रवेश द्वार के साथ सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। स्लम शौचालयों में हिंसा के जोखिम को कम करने के लिए रात में भी इन विशिष्ट शौचालय को खुला रखा जाएगा बृहन्मुंबई नगर निगम (ँश्ण) ने धारावी में पिछले दो वर्षों में १९ सामुदायिक शौचालयों का निर्माण किया है, जिसमें कुल ८०० शौचालय सीटों की क्षमता है।

संपादकीय...
संजय शर्मा

आतंक का दायरा

आतंकवाद के मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव की ताजा रिपोर्ट निश्चित ही चिंता बढ़ाने वाली है। इसमें कहा गया है कि अफगानिस्तान अब अलकायदा और इस्लामिक स्टेट (आइएस) जैसे आतंकी संगठनों का नया गढ़ बन गया है। पिछले छह महीनों में यहां आतंकी संगठन ज्यादा मजबूत हुए हैं। जाहिर है, तालिबान सरकार का इन्हें पूरा समर्थन मिल रहा है। हालांकि इस पर हैरानी इसलिए नहीं है कि पिछले साल अगस्त में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से ही दुनिया के तमाम देश यह आशंका जताते रहे हैं कि पाकिस्तान की तरह अब अफगानिस्तान भी आतंकी संगठनों का नया ठिकाना न बन जाए। पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव की रिपोर्ट से आशंका सही साबित हो गई है। रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि आतंकी संगठन अफगानिस्तान में आजादी का पूरा मजा ले रहे हैं। तालिबान ने अब तक कोई ऐसा संकेत भी नहीं दिया है, जिससे लगता हो कि वह अपनी जमीन से आतंकवादी गतिविधियां नहीं चलने देगा। यह कहना गलत नहीं होगा कि तालिबान की छवि किसी आतंकी संगठन से कम नहीं है। हालांकि दावा तो यह कट्टर धार्मिक संगठन होने का करता रहा है, लेकिन इसकी गतिविधियां पूरी तरह से आतंकी ही रही

हैं। अलकायदा और आइएस सहित पाकिस्तान और मध्यपूर्व के देशों के आतंकी संगठनों से तालिबान के जो संबंध रहे हैं, वे किससे छिपे हैं! इन आतंकी संगठनों की मदद से ही तालिबान अफगानिस्तान में सत्ता हासिल कर पाया है। इसलिए आतंकी संगठन अगर तालिबान के राज में ही नहीं फलेंगे-फूलेंगे तो कहां जाएंगे! रिपोर्ट में कहा गया है कि इस्लामिक स्टेट अब यहां खुद को बड़ी ताकत के रूप में स्थापित कर रहा है। जाहिर है, अगर इस्लामिक स्टेट यहां पैर जमाने में कामयाब हो गया तो यह खतरा दक्षिण एशियाई देशों खासतौर से भारत जैसे देशों को कहीं ज्यादा होगा। भारत तो पहले से ही यह आशंका व्यक्त करता रहा है कि पाकिस्तान के इशारे पर तालिबान आतंकी संगठनों और भाड़े के विदेशी लड़ाकों को कश्मीर में भेज अशांति फैला सकता है। इसके अलावा श्रीलंका जैसे देश भी आइएस के खतरे को लेकर परेशान तो हैं ही। कुछेक देशों को छोड़ दें, तो अभी भी ज्यादातर देशों ने तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है। सभी देश पहले तालिबान सरकार से इस बात की गारंटी चाहते हैं कि वह किसी भी रूप में आतंकी गतिविधियों में शामिल नहीं होगा और न ही आतंकी संगठनों को अपनी जमीन का इस्तेमाल करने देगा। पर तालिबान ने अपनी तरफ से ऐसा कोई वचन नहीं दिया है। वह जानता है कि अगर उसने ऐसा करने की सोची भी तो आतंकी संगठन उसके खिलाफ ही जंग छेड़ देंगे। सवाल तो इस बात का है कि जो सत्ता हासिल ही आतंकी संगठनों के जरिए की गई हो, उसे खत्म करने के बारे में कौन और कैसे सोच सकता है! पर ऐसा भी नहीं है कि तालिबान अपने यहां जड़ें मजबूत कर रहे आतंकी संगठनों के खतरे को समझ नहीं रहा है। लेकिन बिना आतंकी संगठनों के तो उसका काम चलने वाला नहीं। अब यह चुनौती उन देशों के सामने है जो आतंकवाद की मार से जूझ रहे हैं। वैश्विक स्तर पर आतंकवाद से निपटने की एक साझा रणनीति क्या हो, इस पर गंभीरता से विचार होना चाहिए।

ईंट की जगह मेरा सिर भी चढ़ जाए, तब भी नहीं रुकेगा राम मंदिर का निर्माण - उमा भारती

जालौनः उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का तीसरा चरण २० फरवरी को होना है। इसमें जालौन सहित बुंदेलखंड के ५ जिले शामिल हैं। वहीं बीजेपी पार्टी के प्रत्याशी गौरीशंकर वर्मा के समर्थन में पूर्व कैबिनेट मंत्री उमा भारती जालौन की उरई विधानसभा पहुंची। जहां उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए बीजेपी को जिताने की अपील की। राम मंदिर को लेकर उन्होंने कहा कि भगवान राम मेरी आस्था का प्रतीक हैं।

ईंट की जगह अगर मेरा सिर (शीश) भी चढ़ाना पड़े तो वो भी मुझे मंजूर हैं। उन्होंने बताया कि जिस वक्त अयोध्या पर फैसला आया, उस समय मैं कोरोना पॉजिटिव थीं। इस वजह से मैं आईसीयू में एडमिट थीं। मैंने अस्पताल के बेड पर कोर्ट के फैसले को सुना। बीजेपी सरकार ने जो कहा वह पिछले पांच सालों में करके

दिखाया। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार की सत्ता आने के बाद सिर्फ लोगों के घरों और दुकानों पर कब्जा होता है। लेकिन बीजेपी सरकार ने बिना किसी भेदभाव के संपूर्ण देश मे विकास किया है। उन्होंने अपनी सरकार के कामों की तारीफ करते हुए कहा कि देश के पीएम ने तपस्वी के तौर पर देश की सेवा की हैं। केंद्र सरकार ने मुझे मां गंगा को निर्मल करने की जिम्मेदारी सौंपी। जिसे मैंने बखूबी निभाया और अपने विकास के दम पर ही हम यूपी में सरकार बनाने जा रहें हैं। उन्होंने, केन-बेतवा प्रोजेक्ट के पास होने पर खुशी जताते हुए कहा कि इस प्रोजेक्ट से पानी की समस्या दूर होंगी। इससे बुंदेलखंड में खुशहाली आएगी। समाजवादी सरकार ने सिर्फ लोगों के घरों पर कब्जा किया है, पुलिसकर्मी पीटे गए। २०१७ में बीजेपी ने प्रचंड बहुमत हासिल किया था और फिर से दोबारा सरकार बनाने जा रही हैं। उन्होंने कहा कि अखिलेश को सपने में श्री कृष्ण भगवान आये थे तो मुझे भी सपने में शोले फिल्म का सीन आया, वोट डाल दो भाजपा सरकार को वर्ना लुटेरी सरकार आ जायेगी। योगी सरकार में अपराधी बोल रहे कि हमें जेल पहुंचा दो, सड़क पर रहेंगे तो मेरी जान चली जाएंगी।

मतदान से ठीक पहले NIA ने अलकायदा के आतंकी को किया गिरफ्तार, काफी दिनों से एजेंसी को थी तलाश

लखनऊ: उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने लखनऊ में IED ब्लास्ट की साजिश रचने वाले आतंकी संगठन अलकायदा के एक सदस्य तौहीद अहमद शाह को गिरफ्तार किया है। आरोपी यूपी के लखनऊ में अलकायदा की ओर से IED विस्फोट करने की साजिश करने का काम करता था, जोकि जम्मू कश्मीर के बड़गाम जिले का रहने वाला है। इसे सोमवार को पकड़ा गया था। तौहीद पर आरोप है कि वो लखनऊ में बड़े विस्फोट की साजिश रच रहा था। इसके लिए वो राज्य में आतंकियों की भर्ती भी कर रहा था। इससे पहले NIA ने इस मामले में ५ आरोपियों को गिरफ़्तार किया था। तौहीद भर्ती करने और आतंकी घटना की साजिश रचने के इस पूरे मामले का मास्टरमाइंड है। जिस पर १५ अगस्त, २०२१ से पहले यूपी के संवेदनशील स्थानों पर आतंकी घटना को अंजाम देने की नाकाम योजना में शामिल होने का आरोप लगा था। एनआईए को इस आतंकी की तलाश काफी दिनों से थी। NIA अधिकारी का कहना है कि तौहीद ही उत्तर प्रदेश में आतंकी हमले कि लए हथियार और विस्फोटक उपलब्ध करा रहा था। अधिकारी के मुताबिक, इस मामले में जांच जारी है। इससे पहले NIA ने इस मामले में ५ आरोपियों को गिरफ़्तार किया था। मिनहाज व मुसीरुद्दीन को गिरफ्तार किया था। इनके पास से बारूद के साथ प्रेशर कुकर बम, स्वनिर्मित डेटोनेटर, ३२ बोर का एक पिस्टल, चार जिन्दा कारतूस, पोटैशियम परमैगनेट व मोबाइल आदि बरामद हुआ था, जबकि १५ जुलाई को मुल्जिम शकील, मो. मुईद व मुस्तकीम को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया था।

ईवीएम सीलिंग के समय हुई धांधली, बेबी रानी मौर्य को जिताने की हो रही साजिश, आरोप लगा धरने पर बैठे कांग्रेसी

आगराः उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान खत्म हो चुका है। लेकिन आगरा की ग्रामीण विधानसभा से कांग्रेस के उम्मीदवार ने ईवीएम मशीन की सीलिंग पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि सीलिंग के दौरान ना प्रत्याशी और ना ही उनके प्रतिनिधि के हस्ताक्षर लिए गए। जबकि रात ११.३० बजे तक प्रत्याशी का पोलिंग एजेंट स्ट्रांग रूम के बाहर खड़ा रहा। इस संबंध में कांग्रेस के प्रत्याशी ने चीफ सेकेट्री से लेकर चुनाव आयोग तक शिकायत की है। इसका विरोध प्रदर्शित करने के लिए शुक्रवार को कांग्रेस प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ स्ट्रांग रूम के बाहर धरने पर भी बैठ गए। गुरुवार को यूपी विधानसभा चुनाव के पहले चरण में ११ जिलों की ५८ विधानसभाओं के लिए मतदान हुआ। आगरा की ग्रामीण विधानसभा से पूर्व राज्यपाल बेबी रानी मौर्य बीजेपी कें टिकट पर चुनाव लड़ रही हैं। इसी सीट पर कांग्रेस के उपेंद्र सिंह भी मैदान में हैं। उपेंद्र सिंह का आरोप है कि चुनाव की प्रक्रिया में मौजूद रिटर्निंग ऑफिसर ने

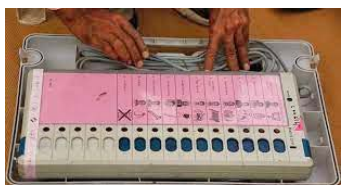

ईवीएम मशीन को सील करते वक्त ना तो प्रत्याशी से हस्ताक्षर लिए और ना ही उनके प्रतिनिधि अमित कुमार सिंह से। उनका कहना है कि उनके एजेंट ने ईवीएम सीलिंग करने के दौरान अपनी मौजूदगी दर्ज करने की बात कही थी, लेकिन रिटर्निंग ऑफिसर ने फोन करके बुलाने का आश्वासन दे दिया। मगर रात ढ़ाई बजे जब एजेंट दोबारा स्ट्रांग रूम पहुंचा तब तक ईवीएम सील कर दी गई थीं। उन्होंने इसकी शिकायत सबसे पहले ऑब्जर्वर से की, लेकिन उन्होंने भी इसे गंभीरता से नहीं लिया। धांधली कर बीजेपी प्रत्याशी को जिताने का आरोप कांग्रेस के प्रत्याशी उपेंद्र सिंह ने लगाया। आरोप है कि बीजेपी से पूर्व राज्यपाल चुनाव लड़ रही हैं। बीजेपी की प्रतिष्ठा दांव पर है। उन्हें जिताने के लिए बीजेपी के इशारे पर सरकारी महकमे ने खेल किया है। उन्होंने बताया कि मंडी समिति में स्ट्रांग रूम के पास एक नया दरवाजा बनाया गया है। हो सकता है कि इस दरवाजे से ईवीएम बदल दिए हों।

दूसरे चरण में सबसे धनी उम्मीदवार के पास २९६ करोड़ रुपये की संपत्ति

नोएडा- उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में सबसे धनी उम्मीदवार के पास २९६ करोड़

रुपये की संपत्ति है, वहीं एक निर्दलीय उम्मीदवार के पास ६,७०० रुपये की संपत्ति है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के नौ जिलों अमरोहा, बरेली,बिजनौर, बदायूं,मुरादाबाद, रामपुर,सहारनपुर,संभल और शाहजहांपुर में ५५विधानसभा सीटों पर १४ फरवरी को मतदान होना है।

'द उत्तर प्रदेश इलेक्शन वॉच एडं असोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) की एक रिपोर्ट में कहा गया कि उन्होंने दूसरे चरण के ५८६ में से ५८४ उम्मीदवारों के हलफनामो का आकलन किया है।

रिपोर्ट के अनुसार रामपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार नवाब काजिम अली खान ने अपनी कुल संपत्ति २९६ करोड़ रुपये बताई है और इस हिसाब से वह सबसे अमीर उम्मीदवार हैं। उनके बाद बरेली कैंट सीट से समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार सुप्रिया एरन के पास १५७ करोड़ रुपये, नौगवां सीट से भाजपा के देवेंद्र नागपाल के पास १४० करोड़ रुपये की संपत्ति है। वहीं शाहजहांपुर सीट से निर्दलीय उम्मीदवार संजय कुमार ने केवल ६,७०० रुपये की संपत्ति घोषित की है।

१० मार्च को अखिलश कहेंगे कि ईवीएम बड़ी बेवफा है, ३०० से अधिक सीटों पर खिलेगा कमल - अनुराग ठाकुर

कानपुर: उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव २०२२ के मद्देनजर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर कानपुर के दौरे पर थे। यहां उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि १० मार्च को जब नतीजे आएंगे तो अखिलेश यादव कहेंगे ईवीएम बड़ी बेवफा है। शुक्रवार को गोविंद नगर विधानसभा सीट प्रत्याशी सुरेंद्र मैथानी के समर्थन में अनुराग ठाकुर ने जनसभा को संबोधित किया। उन्होने मंच से कहा कि समाजवादी पार्टी का चाल, चरित्र और चेहरा ये बताता है कि ऐसी अपराध की घटनाओं को पहले भी अंजाम देते रहे हैं।

सपा की सरकार में उन्हे संरक्षण मिलता रहा। उनके नेताओं के इसी तरह से हौसले बढ़ते थे। गरीब परिवार की बेटियों को उठा कर ले जाना। उसके साथ अत्याचार और दुर्व्यहार करना, उसे दबा दिया जाना। इस पर पहले पर्दे डाल दिए जाते थे। सपा नेताओं पर कार्रवाई नहीं होती थी। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर

ने कहा कि कोई कितना भी बड़ा नाम होगा। उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का काम किया जाएगा। सपा की सरकार थी माफियाराज, गुंडाराज चरम पर था। बहु-बेटियों का बाहर निकलना मुश्किल हो जाता था। याद करो पांच साल पहले सपा की सरकार में गुंडाराज का बोलबाला था। कहा कि योगी आदित्यनाथ की सरकार ने माफियाराज खत्म करने काम किया है। माफियाराज को माफ नहीं किया, उसे जेल में डालने या फिर प्रदेश से बाहर फेंकने का काम किया है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर महाराजपुर विधानसभा सीट से प्रत्याशी सतीश महाना के समर्थन में भी जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मैं आभारी हूं प्रदेश के मतदाताओं का कि एक फिर से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने जा रही है। पिछली बार भी पश्चिम यूपी में हम लोग जीत के साथ आगे बढ़े थे। जब १० मार्च को नतीजे आएंगे, फिर एक बार कमल-कमल खिलता नजर आएगा। बीजेपी ३०० से अधिक सीटें जीत रही है।

बिना गाय के मानव का भविष्य धूमिल है

किसी छोटे से छोटे कार्यक्रम का आयोजन भी बिना उसकी योजना के अपूर्ण ही रहता है। यदि कार्यक्रम की पूर्ण रूपरेखा बना ली गयी है और उसके एक-एक पहलू पर पूर्ण चिंतन-मनन कर लिया गया है तो फिर उसके संपन्न होने में किसी प्रकार की बाधा नही आ सकती। पूर्ण मनोयोग से किये गये कार्य को मिलने वाली असफलता भी कुछ शिक्षा देकर जाती है और उससे व्यक्ति निराश न होकर द्विगुणित ऊर्जा से भरकर पुन: प्रयास करता है और एक दिन सफल हो जाता है।

यह जो सृष्टि है ना यह भी किसी पुरूषार्थी योजनाकार विवेकशील पुरूष की प्रायोजना है। अंतर केवल इतना है कि वह विवेकशील पुरूष कोई सांसारिक पुरूष न होकर पारलौकिक पुरूष है, परमपुरूष है। जिसने जगत का यह सारा तामझाम बनाया है, रचा है। मानव की रचना में मानव कोई दोष निकाल दे, यह तो संभव है, क्योंकि मानव अल्पज्ञ है, उसका ज्ञान ससीम है, सीमाओं में बंधा है, पर उस असीम परमपुरूष की किसी रचना में आप दोष नही निकाल सकते। वह स्वयं भी पूर्ण है और उसकी रचना भी पूर्ण है। पूर्ण में से चाहे जितना अंश निकाल लो, चाहे पूर्ण में से पूर्ण निकाल लो वह तो पूर्ण ही रहना है। अत: उसकी रचना में कोई दोष नही निकाला जा सकता।

ईश्वर ने सृष्टि रची है तो इसमें उसने अपने पूर्ण ज्ञान और विज्ञान का समायोजन किया है। हर पग पर आपको उसके ज्ञान-विज्ञान की झलक मिल जाती है। उसकी रचना में वैसा ही समायोजन है जैसा एक कुशल शिल्पकार की रचना में होता है। जैसे एक कुशल शिल्पकार एक-एक ईंट को काट छांटकर लगाता है और देखते ही देखते एक भवन बना देता है, वैसे ही उस ईश्वर ने पूर्ण समायोजन करते हुए हर जीवधारी को एक दूसरे के साथ समन्वय बनाने के लिए भेजा है। उसने ना तो कोई वनस्पति अनुपयोगी बनायी है और ना ही कोई पशु-पक्षी या कोई जीवधारी अनुपयोगी बनाया है। सबकी अपनी-अपनी उपयोगिता है, अपना-अपना महत्व है। जो लोग ईश्वर के रचना विज्ञान के इस रहस्य को जानते समझते हैं कि उसने कोई भी वनस्पति या जीवधारी अनुपयोगी बनाया है। सबकी अपनी-अपनी उपयोगिता है, अपना-अपना महत्व है। जो लोग ईश्वर के रचना विज्ञान के इस रहस्य को जानते समझते हैं कि उसने कोई भी वनस्पति या जीवधारी अनुपयोगी नही बनाया। जो लोग ईश्वर की सृष्टि को इसी भाव से देखते हैं कि यहां सब एक दूसरे के सहयोग के लिए और एक दूसरे का सहयोग कर रहे हैं, वे इस संसार में रहकर सदा सकारात्मक ऊर्जा से भरे रहते हैं और प्रत्येक प्राणी को अपने लिए उपयोगी और सहयोगी मानते हैं। ऐसे लोगों की ऐसी सकारात्मक सोच के कारण प्राकृतिक संतुलन भी बना रहता है, और हर व्यक्ति संसार के समस्त प्राणियों के साथ सहयोगी बनकर चलने का प्रयास करता है। ऐसे लोगों की वेद की भाषा में घोषणा होती है :-

मित्रस्याहं चक्षुषा सर्वाणि भूतानि समीक्षे (यजु. ३६/१८) अर्थात मैं सब प्राणियों को मित्र की दृष्टि से देखता हूं। कहने का अभिप्राय है कि जैसे कोई सच्चा मित्र अपने मित्र की हत्या नही कर सकता वैसे ही किसी अन्य को अपना मित्र मानने के कारण एक व्यक्ति उसकी हत्या अपने निहित स्वार्थ अर्थात उदरपूर्ति के लिए नही कर सकता। इसका एक कारण यह भी है कि जब मनुष्य हिंसा से किसी की हत्या करके मांसाहार करने लगता है तो उस समय उसकी प्रवृत्ति दानवी अर्थात घात-प्रतिघात वाली हो जाया करती है। ऐसी प्रवृत्ति से बुद्धि का नाश होता है और व्यक्ति

सदा अपने आपे से बाहर होने वाला आचरण-व्यवहार करता रहता है। तब क्या होता है?

यत्र वि जायते यामिन्यपर्तु: सा पशून क्षिणाति रिफती रूशती। (अथ. ३/२८/१) अर्थात जिस अवस्था में बुद्धि विशेष बिगड़ जाती है अमर्यादित हो उठती है और असंतुलित होकर अपनों पर ही घात-प्रतिघात करने लगती है तो वह शास्त्राघात से मारती हुई तथा अन्य उपायों से हत्या करती हुई पशुओं को नष्ट करती है। अत: मानवता इसी में है कि किसी प्रकार की पाशविकता या दानवता का प्रदर्शन किसी भी स्थिति परिस्थिति में न किया जाए। जिस पाशविकता को पशु समाज में देखकर मनुष्य हिंसाचार की बातें करता है उसके विषय में उसे ज्ञात होना चाहिए कि तुझे हिंसाचार नही करना है, क्योंकि तू हो पशु न होकर मनुष्य है। तू अपना धर्म पहचान और उसके अनुसार आचरण करने वाला बन।

जिस वैदिक धर्म में हिंसा निषेध की बातें (प्रत्येक प्राणी के जीवन का सम्मान करते हुए) पूर्ण निष्ठा से की जाती है उसमें गाय जैसे अति उपयोगी प्राणी की हिंसा का निषेध ना हो, भला यह कैसे हो सकता है? वैसे भी गाय की उपयोगिता को सर्वप्रथम समझने वाला संसार का एकमात्र धर्मग्रंथ वेद है, और उसके द्वारा प्रतिपादित वैदिक धर्म है। भारत के लोगों के लिए यह परम सौभाग्य का विषय है कि हमने भारत माता के समान ही गौमाता को सम्मान दिया है। इसका कारण केवल यही है कि हमने गौमाता के महत्व को समझा है। जैसे दोपायों में मनुष्य सर्वश्रेष्ठ है वैसे ही चौपायों में गाय सर्वश्रेष्ठ है। जिसकी हत्या कदापि नही होनी चाहिए। हिंसक लोग उपद्रवी और अशांति उत्पन्न करने वाले होते हैं। जिससे विश्व में विद्या शिल्प व्यवसाय की उन्नति अवरूद्ध होती है। ऐसे उपद्रवी लोगों को समाप्त करने की प्रार्थना राजा से प्रजाजन करते हैं। राष्ट्रवासी राष्ट्रपति से कहते हैं :-

वि न इंद्र मृधो जहिअर्थात हे इंद्र! ऐश्वर्यशाली राजन! आपको हमने अपना राजा इसलिए नियुक्त किया है कि आप हमारे मसलने वालों को अर्थात मृधों को मार डालें, जो लोग हमारा किसी भी प्रकार से शोषण या उत्पीड□ करते हैं, उन्हें आप नष्ट कर दें। ऐसे लोग चाहे कितने ही साधन संपन्न और उच्च पदस्थ क्यों न हों राजा को प्रजा पीडक़ों के विनाश में कोई प्रमाद नही करना चाहिए। अथर्ववेद १/२१/३ में भी कहा गया है कि-''वि रक्षो वि मृधो जहि वि वृत्रस्य हनू रूज'' अर्थात जो लोग राक्षस प्रवृति के हैं, या प्रजा उत्पीडक़ हैं या प्रजा पर किसी भी प्रकार का अत्याचार करते हैं, उसका शोषण करते हैं, उसके जीवन और जीने के मौलिक अधिकार का हनन करते हैं, उनको राजा कठोर से कठोर दण्ड दे। उपद्रवियों को समाप्त करना राजा का धर्म है। इसीलिए ऋग्वेद (१०/१५२/२) में कहा गया है कि-

स्वस्तिदा विशस्पतिर्वृत्रहा वि मृधो वशी। वृषेन्द्र: पुर एतु न: सोमपा अभयंकर:।।

अर्थात सुख प्रदाता कल्याण प्रदाता प्रजा के लिए हर प्रकार से सुखशांति देने वाला प्रजा पालक पापनाशक प्रजोत्पीडक़ों का नियंत्रणकारी, सुखवर्षक, ऐश्वर्यरक्षक और अभयंकर भय रहित करने वाला व्यक्ति हमारा नेता हो।

राजा को ईश्वर का प्रतिनिधि माना जाता है। इसका कारण यह है कि जैसे राजा अपनी समस्त प्रजा (समस्त योनियों के समस्त जीवधारियों) के लिए कल्याणप्रदाता, सुखवर्षक, शांति प्रदाता आदि है उसी प्रकार राजा को भी हिंसाचार से किसी भी जीवधारी के प्राणों की रक्षा करनी चाहिए। उसे भी सबके प्रति दयाभाव अपनाने के लिए अपने राज्य के लोगों को प्रेरित करना चाहिए। यही कारण है कि भारत में दया को धर्म का मूल माना गया है। यह दयाभावना मनुष्य की मनुष्य के प्रति ही नही होनी चाहिए, अपितु सभी जीवधारियों के प्रति होनी चाहिए। तभी तो 'जीवों पर दया करो'-ऐसा आदर्श सूत्र वाक्य हमारे यहां बचपन में ही बच्चों को सिखाया जाता है। हिंसक जीवों को उस समय समाप्त कर देना उचित है जब वे मानव समुदाय को कहीं चोट करने लगते हैं, या अपनी हिंसा का शिकार बनाकर उन्हें समाप्त करने लगते हैं। वन्य हिंसक जीवों के शिकार की परंपरा भी हमारे राज-परिवारों में इसीलिए चली थी कि उनके शिकार करने से एक तो मानव समुदाय की रक्षा हो जाती थी, दूसरे क्षत्रिय लोगों का शस्त्राभ्यास भी हो जाता था। इस प्रकार शिकार की भी अपनी मर्यादाएं थीं, उसकी अपनी सीमाएं थीं। ऐसा नही था कि शिकार जब चाहे जिस प्राणी का कर लिया और उसे मारकर खा लिया। शिकार को मारकर खाने की परंपरा विदेशी है और इन विदेशियों के संसर्ग और संपर्क में आने पर भारतीयों को यदि यह रोग लगा तो यही वह संस्कृति है जिसे 'गंगा जमुनी संस्कृति' कहकर देश में प्रचारित कर महिमामंडित किया जाता है। इस गंगा-जमुनी संस्कृति ने हमें दोष दिये हैं, दुर्गुण दिये हैं और उन दोष व दुर्गुणों के दिये दुर्दिनों के कारण आज हम दु:ख भोग रहे हैं। क्योंकि हमने प्राकृतिक संतुलन को बिगाडने की दिशा में तो उन्नति की है पर उसे सुधारने की दिशा में कोई कार्य नही किया। वेद की भाषा में देशवासी अपने राष्ट्रपति से उपद्रवियों और प्रजोत्पीडकों के विनाश की अपील कर सकते हैं तो अन्य मूक प्राणियों की अंतर्मन की पीड़ा को राजा को स्वयं ही सुनना चाहिए, उनके जीवन की रक्षा का भार वह वैसे ही उठाये जैसे ईश्वर अपनी प्रजा की सुरक्षा का भार उठाये रहता है, क्योंकि राजा ईश्वर का प्रतिनिधि है। यदि राजा अपने कर्त्तव्य में चूक करता है तो मनुष्य समुदाय से उत्पीड़ित प्राणियों को अधिकार है कि वे राजाओं के राजा स्वयंभू ईश्वर से अपनी पुकार करें कि मनुष्य के उत्पातों से हमारी रक्षा करो। वह ईश्वर न्यायकारी है। वह जब देखेगा कि मनुष्य अपने धर्म से और राजा अपने धर्म से डिग गया है और इनके कारण अन्य जीवधारियों का अस्तित्व ही संकट में है तो वह अपने न्याय से ऐसे राजा और ऐसे लोगों का भारी विनाश कर सकता है। सारी मानवता आज परमाणु युद्घ के भय के साये में जी रही है कहीं यह भय ईश्वर के किसी न्याय की ओर तो प्रकृति का संकेत नही है?

Stop It Or We Will: Supreme Court To Team Yogi About Fining CAA Protests

New Delhi: The Uttar Pradesh government was told off by the Supreme Court for trying to recover money for property damage during the 2019 anti-Citizenship (Amendment) Act protests from those identified as protesters. The court said it is giving one final opportunity to the state to withdraw the proceedings or it will quash it for being in violation of the law. "You have to follow the due process under the law. Please examine this, we are giving one opportunity till February 18," the court said. The Uttar Pradesh government has acted like a "complainant, adjudicator and prosecutor" in conducting the proceedings to attach the properties of the accused, said a bench of justices DY Chandrachud and Surya Kant.

"Withdraw the proceedings or we will quash it for being in violation of the law laid down by this court," the bench said. The top court was hearing a plea filed by Parwaiz

Arif Titu seeking quashing of notices sent to alleged protesters by the district administration for recovering losses caused by damage to public properties during the anti-Citizenship (Amendment) Act (CAA) agitations in Uttar Pradesh and asked the state to respond to it. The plea said the notices have been sent in an "arbitrary manner" and cited instances where a notice has been sent to a man who had died six years ago at the age of 94 and also to several others including two people who are aged above 90. The counsel for the state government, Garima Prashad, said that 106 FIRs were registered against 833 rioters and 274 recovery notices were issued against them."Out of the 274 notices, recovery orders were passed in 236 while 38 cases were closed," said the UP government's counsel. The bench said, "The Supreme Court has passed two judgements in 2009 and 2018, which said that judicial officers should be appointed in claim tribunals but instead you appointed Additional District Magistrates (ADM)".

Justice Surya Kant said, "Madam Prashad, this is just a suggestion. This plea concerns only a set of notices sent in December 2019, in relation to one kind of agitation or protest. You can withdraw them with a stroke of a pen. 236 notices in a big state like UP is not a big thing. If you are not going to listen, then be ready to face the consequences. We will tell you how the Supreme Court judgements need to be followed". Justice Chandrachud asked why ADMs were conducting the proceedings when the court had directed that adjudication has to be done by a judicial officer.

Navjot Sidhu will get 'Super CM' post if Congress retains power in Punjab: Ravneet Bittu

Congress MP Ravneet Singh Bittu on Friday said that Navjot Singh Sidhu will get the post of 'Super CM' if the party retains the power in Punjab after the assembly elections. Congress leader Rahul Gandhi recently announced Punjab chief minister Charanjit Singh Channi as the chief ministerial face for the assembly polls in the state, triggering speculations about Sidhu's future in the party. "He (Navjot Singh Sidhu) will be given Super CM post," Bittu told news agency ANI.

The Congress leader, however, welcomed the party's decision of sticking with Channi for the chief ministerial face, saying the common man of Punjab is praying for his victory and will come out to vote "like a festival" on the day of the election. "Every poor person in Punjab is praying for Channi in Gurudwaras and temples...The poor are saying that if Channi returns to power, only then our children can study and dream of becoming a Chief Minister someday. The people would vote Channi on the day of the election just like their festival. This is what BJP and AAP are

scared of," he said. Congress has tried to put a united face since the announcement of its chief ministerial candidate even as statements from Sidhu and his loyalists continue to raise eyebrows in the party. Sidhu's daughter Rabia Kaur on Friday claimed that "an honest person can't be stopped for long", indicating that the issue over the top post is not over yet.

"Maybe they (high command) had some compulsion. I have no say in this but it is good for them," ANI quoted Rabia as saying.

"As a daughter, I want to say it does't matter if he (Navjot Singh Siddhu) is not the face of Chief Minister for Punjab polls but one day he will do great things because his image is clear. There is no blot on his name," she added.

BMM professor duped of Rs 3.9 lakh by cyber fraudster in Mumbai

The south region cyber cell has registered an FIR against unknown persons for duping a Bachelor Of Mass Media (BMM) professor of over Rs 3.9 lakh. The accused posed as an customer care executive of a cellphone service provider and asked the complainant to renew his KYC. The complainant lost money in multiple transactions after he shared an OTP with fraudsters.

Professor Shridhar Naik, who has been a leading faculty for BMM students across Mumbai, approached the south Mumbai cyber cell on Monday after being duped of Rs 3,99,500 by a cyber fraudster. "The Mumbai police immediately registered an FIR in the matter and started the probe," Naik told mid-day.

According to Naik, on Friday he received an SMS from Airtel asking him to renew his KYC. "I called the given number. The executive who identified himself as Rahul asked me to make a payment to an HDFC Bank account. Later, I was asked to fill in an OTP," Naik said in his complaint to cyber police.

According to Naik, the caller filled out his KYC form after taking the details from him, which included his PAN number and bank account details. "He sent me a link of a nationalised bank and asked me to make payment of Rs 10, which I did," Naik told mid-day. The caller then informed Naik that his KYC was renewed. However, after some time, three transactions of Rs 20,000, Rs 1 lakh and Rs 99,500 took place from Naik's account. He informed the bank to get his accounts blocked. "On the night of February 5, I got a call from the same number again. The caller, who identified himself as Amit Mishra, asked me to send the OTP. When I confronted him about the previous transactions, he said he could resend the amount to me after being provided with the OTP," Naik said in his statement to police. "On the evening of February 6, I found my mobile and internet banking unblocked and the mini statement showed that Rs 50,000 were transferred out of my account in two installments. When I called the bank, I was told that they would again block my mobile banking app and UPI, which were unblocked." The south region cyber cell has registered an FIR and is investigating the matter further. The cyber police have found that Naik's phone was cloned by the fraudsters after he clicked the link.

सेंट्रल रेलवे ने मुंबई की लोकल ट्रेनों के लिए मुफ्त इंफोटेनमेंट सेवा शुरू की

मुंबई- मुंबई की उपनगरीय लोकल ट्रेनों में यात्रा करने वाले लोग अब

अपनी यात्रा के दौरान फिल्में, टीवी शो और शैक्षिक कार्यक्रम मुफ्त में देख सकते हैं क्योंकि मध्य रेलवे ने शुक्रवार को ''कंटेंट आन डिमांड'' इंफोटेनमेंट सेवा की शुरूआत की है। रेलवे ने एक बयान में इसकी जानकारी दी। बयान में कहा गया है कि मध्य रेलवे ने शुगरबॉक्स नेटवर्क मोबाइल एप के माध्यम से ''कंटेंट आन डिमांड'' इंफोटेनमेंट सेवा प्रदान करने के लिए मैसर्स मार्गो नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के साथ हाथ मिलाया है। मध्य रेलवे (सीआर) ने महाप्रबंधक अनिल कुमार लाहोटी की उपस्थिति में १६५ उपनगरीय लोकल ट्रेनों में से १० में इस सेवा की शुरूआत की। इसमें कहा गया है कि यात्रियों को अपने उपकरणों पर शुगर बॉक्स एप डाउनलोड करना होगा, जिसके बाद मुफ्त इंफोटेनमेंट सामग्री तक पहुंचने से पहले उन्हें अपना मोबाइल नंबर दर्ज करने पर एक ओटीपी प्राप्त होगा। इसमे कहा गया है कि इसके लिये इंटरनेट कनेक्शन की आवश्यकता नहीं होगी और लोगों को डेटा खपत के लिए कोई शुल्क नहीं देना होगा।

बंद होगी ओपीडी, नहीं करेंगे सर्जरी, मांगों को अनदेखा करने पर सरकार को डॉक्टरों की चेतावनी

मुंबई: सरकारी मेडिकल कॉलेज में अस्थायी रूप से कार्यरत सहायक मेडिकल प्रफेसर्स की मांगों को सरकार अनदेखा कर रही है। बीते २५ दिनों से अनशन कर रहे इन डॉक्टरों की सूध लेने को सरकार तैयार नहीं है। इसके चलते डॉक्टरों में सरकार के खिलाफ रोष बढ़ता जा रहा है। डॉक्टरों ने स्पष्ट कर दिया है कि अगर जल्द ही उनकी मांगें पूरी नहीं की गई, तो आगामी सप्ताह से आंदोलनकारी डॉक्टर्स न ही ओपीडी में अपनी सेवाएं देंगे और न ही रूटीन सर्जरी करेंगे। पिछले २५ दिनों से चरण बद्ध तरीके से अस्थायी रूप से काम कर रहे सहायक मेडिकल प्रफेसर जेजे अस्पताल परिसर में सेवा में स्थायी, सातवें वेतन आयोग की तरह वेतन आदि अपनी मांगों को लेकर अनशन कर रहे हैं। इसके बाद भी इनकी मांगों को सुनने

के लिए न ही सरकारी अधिकारी आ रहे और न ही इन्हें बातचीत के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। महाराष्ट्र स्टेट मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन मुंबई के अध्यक्ष डॉ. सचिन मुलकुटकर ने बताया कि सरकार को जगाने के लिए प्रफेसर्स अनोखा आंदोलन कर रहे है, लेकिन सरकार सुनने को तैयार नही है। उल्टे हमें सरकारी अधिकारी अपमानित कर अपने कार्यालय से खदेड़ चुके हैं। मरीजों की सेवा प्रभावित न हो, इसलिए अब तक हमने ओपीडी आदि सेवाएं जारी रखी है। अब हमारे पास अपनी मांगों को मनवाने के लिए और कोई विकल्प नहीं बचा है। डॉक्टरों की स्ट्राइक का यह कोई पहला मामला नहीं है। इसके पहले भी कई बार डॉक्टरों ने अपनी अलग-अलग मांगों को लेकर हड़ताल की है। कई बार महाराष्ट्र के रेसिडेंट्स डॉक्टरों ने भी हड़ताल का रास्ता अख्तियार किया है।

अगले महीने मुंबई पहुंचेगी मेट्रो-३ की पहली रेक, अप्रैल में शुरू हो सकता है ट्रायल रन

मुंबई: मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो कॉरिडोर पर अप्रैल या मई में पहली बार मेट्रो दौड़ सकती है। कॉरिडोर पर ट्रायल रन शुरू करने के लिए आंध्रप्रदेश के श्रीसिटी में मेट्रो की पहली रेक बनकर तैयार हो चुकी है। अगले ड़ेढ़ माह में यह रेक मुंबई पहुंच जाएगी। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएमआरसीएल) के एक अधिकारी के मुताबिक, रेक के मुंबई पहुंचने के बाद ट्रायल रन आरंभ करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। कोलाबा-बांद्रा-सिप्ज के बीच ३३.३ किमी लंबे मेट्रो ३ कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है।

कॉरिडोर के लिए आंध्र प्रदेश की श्रीसिटी में मेक इन इंडिया के तहत ८ डिब्बों की रेक तैयार की जा रही है। एमएमआरसीएल अत्याधुनिक सुविधा के साथ यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए ३१ ट्रेन का निर्माण करवा रही है। यह ट्रेन ड्राइवर लैस होंगी। इसके अलावा कोच फुल एसी होंगे, साथ ही कोच के अंदर एलसीडी

स्क्रीन, डिजिटल मैप इंडीकेटर, अग्नि शमन यंत्र, स्मोक डिटेक्टर, इमरजेंसी के लिए वायस कम्युनिकेटर और पीएम सिस्टम भी होगा। इसके अलावा शारीरिक रूप से दिव्यांग व्यक्ति के लिए डेडीकेटेड वीलचेयर एरिया की भी व्यवस्था ट्रेन में की गई है। केंद्र और राज्य सरकार के बीच जारी विवाद के चलते अब तक कॉरिडोर के कारशेड की जगह का चयन नहीं हो पाया है। कारशेड के न होने की वजह से प्रशासन को रेक की देखरेख में दिक्कतों हो सकती है। सरकार ने कॉरिडोर के पूरे मार्ग के बजाय शुरुआती चरण में मेट्रो के कुछ स्टेशनों के बीच ट्रायल रन की योजना तैयार की है। मरोल मरोशी से मेट्रो के ट्रायल रन की शुरुआत होगी। एमएमआरसीएल ने टनल तैयार करने के साथ ही मार्ग पर पटरी बिछाना शुरू किया है। अब तक १४ किमी से अधिक के मार्ग पर ट्रैक बिछाया जा चुका है। १०० वर्ष से अधिक पुरानी इमारतों के नीचे से यह मेट्रो गुजरने वाली है। ट्रेन के चलने से होने वाले कंपन को कम करने के लिए विश्व का सबसे हाईटेक रेलवे ट्रैक (जापान) का इस्तेमाल किया जा रहा है।

कैब ड्राइवर को लगा डबल झटका! पहले मोबाइल किया चोरी फिर अकाउंट से उड़ाए ८०००० रुपए

ठाणे: महाराष्ट्र के ठाणे के रहने वाले एक कैब चालक को डबल झटका लगा। पहले चोरी ने उसका मोबाइल चोरी कर लिया और फिर उसके खाते से ८० हजार रुपए कुछ ही मिनट में साफ कर दिए। कैब ड्राइवर को उसके

चोरी हुए मोबाइल फोन से १४ मिनट में ८० हजार रुपए का झटका लगा है। घोड़बंदर रोड मानपाडा निवासी कैब चालक रामलखन प्रसाद महतो के साथ यह वारदात तब हुई जब वह मुंबई एयरपोर्ट पर पैसेंजर छोड़ने गया था।वापसी में महतो अंधेरी-कुर्ला मार्ग पर साकीनाका मेट्रो स्टेशन के करीब गाड़ी खड़ी कर होटल में नाश्ता करने गया था। उसी समय गाड़ी में रखा उसका मोबाइल किसी ने चुरा लिया। वापस आने पर महतो ने गाड़ी का शीशा खुला पाया। महतो ने उसके पास रहे दूसरे मोबाइल से चोरी गए मोबाइल पर फोन लगाया तो वह बंद मिला। मोबाइल चोरी की शिकायत उसने साकीनाका पुलिस में दर्ज कराई और घर वापास आया। रात को महतो ने फिर से मोबाइल पर संपर्क किया तो फोन उठाने वाले व्यक्ति ने उसे बताया कि उसने ३ हजार रुपए में वह मोबाइल खरीदा है और अगर मोबाइल चाहिए तो तीन हजार रुपये लेकर आ जाओ। दूसरे दिन सुबह महतो का एक दोस्त उक्त व्यक्ति के पास गया और मोबाइल वापस लेकर आया। महतो ने मोबाइल चेक किया तो पता चला कि गूगल पे के जरिए उसके बैंक अकाउंट से १४ मिनट में ५ बार में ८० हजार रुपये निकल गए थे। महतो को बेटी का विवाह करना है और उसके लिए वह रुपए जमा कर रहा था।

શવિાલકિ, શલ્પિ, શારદા ગ્રુપના દરોડામાં ચાર કરોડ રોકડા, ત્રણ કરોડના દાગીના જપ્ત

અમદાવાદના શવિાલકિ બલ્ડિર, શલ્પિ ડેવલપર્સ અને શારદા કન્સ્ટ્રક્શનની ઑફસિો અને રહેઠાણ મળીને ગઈકાલે સવારથી ૩૦ સ્થળોએ આવકવેરા અધકિારીઓએ પાડેલા દરોડામાં રૂ. ૪ કરોડની રોકડ અને ૩ કરોડના બનિહસિાબી દાગીના મળી આવ્યા છે. બલ્ડિરની પૂછપરછ દરમયિાન લૉકરમાં રોકડ પડી હોવાનું જણાવતા લૉકર તરત જ ઓપરેટ કરવામાં આવતા તેમાંથી રોકડ મળી આવી હતી. આ પ્રકારનું

બીજું પણ એક લૉકર ઓપરેટ કરવામાં આવી રહ્યું છે. બાકીના વીસ લૉકર દરોડાની કાર્યવાહી પૂરી થયા પછી કરવામાં આવશે, એમ આવકવેરા ખાતાનાં સૂત્રોનું કહેવું છે. ૩૦માંથી બે સ્થળે દરોડાની કાર્યવાહી સમેટી લેવામાં આવી છે. બીજા ચારથી સ્થળે દરોડાની કાર્યવાહી મોડી રાત્રે સમેટી લેવાઈ હતી, બાકીના સ્થળોએ દરોડાની કાર્યવાહી આવતીકાલે પૂરી થઈ જવાની સંભાવના હોવાના નર્દિેશ મળી રહ્યા છે. શવિાલકિના પ્રમોટર સતીશ શાહ મોટા પુત્ર ચત્રિક શાહ અને તરલ શાહના ફન રપિબ્લકિથી આંબલી તરફ જતાં શવિાલકિ બંગલાની સ્કીમમાં આવેલા બંગલા, શવિાલકિ બલ્ડિરની રામદેવનગર ચાર રસ્તા પાસે આવેલા સેટેલાઇટ પોલીસ સ્ટેશનની પાસે આવેલી ઑફસિના કોમ્પ્યુટર્સ તથા તેમના મોબાઈલ ફોનમાંથી ડજિટિલ ડેટા રકિવર કરવામાં આવ્યો છે. કંપનીના કોમ્પ્યુટર્સ અને લેપટોપ પણ કબજામાં લઈ લેવામાં આવ્યા છે. તેમના કોમ્પ્યુટર ડેટાનું બૅક અપ લઈને પછી તે આવકવેરા ખાતાએ લઈ લીધો છે. બલ્ડિરો ડેટા પ્રોટેક્ટ કરે અને તે ડેટાને કોઈ કોપી કરીને લઈ જાય તે પછી ઓપન કરવા જાય તો ડેટા કરપ્ટ થઈ જાય તે રીતે રાખતા હોય છે. તેથી ઇન્ફોર્મેશન ટેક્નોલોજીના નષ્ણિાતની મદદથી ત્રણેય બલ્ડિરના ઇલેક્ટ્રોનક્સિ ઉપકરણોમાંથી આવકવેરા અધકિારીઓ દ્વારા ડેટા રકિવર કરવામાં આવ્યો છે. શલ્પિ ગ્રુપના પ્રમોટર યશબ્રહ્મભટ્ટના અને તેમના પાંચથી છ પાર્ટનરને ત્યાંની ઇલેક્ટ્રોનક્સિ ડવિાઇઝ જપ્ત કરી તેનો ડેટા પણ આવકવેરા અધકિારીઓએ રકિવર કરી લીધો છે. શારદા ગ્રુપના પ્રમોટર દીપક નમ્બિાર્કના સંતોષા પાર્ક સોસાયટીમાં આવેલા નવિાસસ્થાને ઉપરાંત તેમની ઑફસિની તમામ ઇલેક્ટ્રોનક્સિ ડવિાઇઝ માંથી ડેટા કલેક્ટ કરવામાં આવી રહ્યા છે.

દરોડા પાડવામાં આવ્યા છે. તેમના બીજા ચારથી પાંચ પાર્ટનરને પણ દરોડા હેઠળ આવરી લેવામાં આવ્યા હોવાનું જાણવા મળી રહ્યું છે. દીપક નમ્બિાર્કના શાદરા ગુરુપે શૈલામાં શારદા શવિાલકિના નામે ચત્રિક ને તરલ શાહ સાથે જોઈન્ટ વેન્ચરમાં સ્કીમ મૂકી હોવાથી તેના કનેક્શનમાં તેમના પર દરોડા પાડવામાં આવ્યા હોવાનું જાણવા મળી રહ્યું છે.

અમદાવાદ-દલ્હિી સહતિ ૭ રૂટ પર બૂલેટ ટ્રેન શરૂ કરવા વચિારણા

વડોદરા : અમદાવાદ-મુંબઇ બૂલેટ ટ્રેન (હાઇ સ્પીડ રેલ પ્રોજેક્ટ) બાદ હવે રેલ મંત્રાલય દ્વાર દેશમાં વધુ ૭ રૂટ પર બૂલેટ ટ્રેન શરૂ કરવાનો વચિાર કરાયો છે જેમાં અમદાવાદ-દલ્હિી રૂટનો પણ સમાવેશ થાય છે તેમ આજે રાજ્યસભામાં એક પ્રશ્નના જવાબમાં રેલમંત્રીએ કહ્યું હતું. અમદાવાદ-દલ્હિી ઉપરાંત દલ્હિી-વારાણસી, દલ્હિી-અમૃતસર, મુંબઇ-નાગપુર, મુંબઇ-હૈદ્રાબાદ, વારાણસી-હાવડા અને ચેન્નાઇ-બેંગાલુરૂ-મૈસુર રૂટ પર બૂલેટ ટ્રેન શરૂ કરવા માટે સર્વે અને પ્રોજેક્ટ રપિોર્ટ તૈયાર કરવાની કામગીરી શરૂ કરવામાં આવી છે જો કે આ સાત પ્રોજેક્ટને હજુ મંજૂરી મળી નથી એવુ રેલમંત્રીએ કહ્યું હતું. ઉલ્લેખનીય છે કે જાપાન સરકારના આર્થકિ અને ટેકનકિલ સહયોગથી શરૂ કરાયેલા અમદાવાદ-મુંબઇ બૂલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટમાં અત્યાર સુધી થયેલી કામગીરી અંગે જાણકારી આપતા રેલમંત્રીએ કહ્યું હતુ કે વાઇલ્ડ લાઇફ, દરીયાઇ પટ્ટી અને જંગલ વસ્તિારને લગતી તમામ મંજૂરીઓ મેળવી લેવાઇ છે. ગુજરાતમાં આ પ્રોજેક્ટ માટે જરૂરી ૧૩૯૬ હેક્ટર જમીનમાંથી ૧૧૯૩ હેક્ટર જમીનનું સંપાદન પૂરણ થયુ છે. આ પ્રોજેક્ટને કુલ ૨૭ કોન્ટ્રાક્ટમાં વહેચવામાં આવ્યો છે જેમાથી ૧૨ કોન્ટ્રાક્ટ એવોરડ થઇ ગયા છે, ૩ કોન્ટ્રાક્ટનું મુલ્યાંકન થઇ રહ્યુ છે અને ૪ કોન્ટ્રાક્ટ આમંત્રતિ કરાયા છે. ગુજરાતમાં બૂલેટ ટ્રેનનો રૂટ ૩૫૨ કમિી.નો છે જેમાંથી ૩૪૨ કમિી. વસ્તિારમાં સવિલિ વર્કની કામગીરી ચાલી રહી છે.

ફરાન્સમાં રહેતા દત્તક પતિાને સગીર બાળકીનો કબજો સોપવા ફેમીલી કોર્ટનો હુકમ

સુરત- સુરતમાં રહેતા પતન્પિત્નીએ વર્ષો પહેલા એકબીજાની સંમતથિી લીધેલા છુટાછેડા બાદ ડીવોર્સી મહીલાએ ફરાન્સના અન્ય એક ડીવોર્સી પુરુષ સાથે લગ્ન કર્યા હતા. ત્યારબાદ અગાઉના પતથિી થયેલી સગીર પુત્રીનો કબજો ફરાન્સ રહેતા સાવકા પતિાને સોપવા અને પાછળ દત્તક પતિાનું નામ ઉમેરવા આજે ફેમીલી કોર્ટે વડીયો કોન્ફરન્સીગના માધ્યમથી મંજુરી આપી હતી. સુરતમાં રહેતા મીનાબેને પોતાના અગાઉના પતન્પિત્નમેશભાઈ સાથે વર્ષો પહેલાં પરસ્પર સંમતથિી છુટાછેડા લીધા હતા. અગાઉના દાંપત્ય જીવનથી થયેલી પુત્રીનો કબજો માતા મીનાબેને સ્વીકાર્યો હતો. પરંતુ ત્યારબાદ ફરાન્સમાં નોકરી કરતાં અને એક સગીર પુત્રી ધરાવતા ડીવોર્સી સંદપિભાઈ સાથે મીનાબેનને પ્રેમ સંબંધ થયા બાદ બંનેએ પુનલગ્ન કર્યા હતા. પરંતુ અગાઉના પતથિી થયેલી સગીર પુત્રી તેના કાયદેસરના બાયોલોજીકલ પતિાની સંમતવિગર વદિેશમાં લઈ જઈ શકાય તેમ ન હોવાથી સગીર બાળકી વડોદરામાં પોતાના મામાના આશરે રહેતી હતી.

ડીવોર્સી માતા પુનલગ્ન બાદ ફરાન્સમાં રહેતા પતસિાથે ફરાન્સ ગઇ હતી. અને દત્તક પતિાએ સુરતમાં રહેતી સગીર પુત્રીનો કબજો ગાર્ડીયન એન્ડ વોર્ડ્સ એક્ટ હેઠળ સોપવા પાવરદાર મારફતે સુરત ફેમીલી કોર્ટમાં ધા નાખી હતી.

गऊ भारत भारती
परिवार
प्रकाशक/ प्रधान संपादक
संजय रमाशंकर शर्मा
सलाहकार संपादक
डॉ . विजय गुप्ता (कृषि वैज्ञानिक),
राजेश विक्रांत (स्तंभकार हिंदी दोपहर का सामना),
प्रेम कुमार (सलाहकार संपादक)
विशाल भगत (सलाहकार संपादक)
संवाददाता- फिरोज खान, अब्दुल कादिर
विज्ञान विभाग- साई सामी ग्रुप
भूपेंद्र- फोटोग्राफर
पृष्ठ सज्जा- अमोल गुडेकर ग्राफिक्स
अनिल नलावडे- वितरण व्यवस्था
मंत्रालय वितरण- सुचित कुमार
सभी पद अवैतनिक है
संपर्क- गाला नं. 430, अस्मी इंडस्ट्रीयल कॉम्प्लेक्स, आर-5, 4था माला, नियर आशिर्वाद इंडस्ट्रीयल इस्टेट, राममंदिर (पश्चिम), मुंबई- 400104
मो- 9768372509.

सेवा इंटरनेशनल के अनुपम कार्य

नई दिल्ली- सेवा इंटरनेशनल २००३ में स्थापित एक हिंदू धर्म-आधारित, मानवीय, गैर-लाभकारी सेवा संगठन है। यह एक बड़े आंदोलन का हिस्सा है जो १९८९ में भारत में शुरू हुआ था और वर्तमान में २० से अधिक देशों में मानवीय सेवाएं प्रदान कर रहा है।वर्ष २०२१ साल की अपनी रैंकिंग में, वैश्विक कॉर्पोरेट उद्देश्य सॉफ्टवेयर के अग्रणी प्रदाता, बेनेविटी ने २०२१ में कंपनियों और उनके कर्मचारियों द्वारा समर्थित धर्मार्थ संगठनों में सेवा इंटरनेशनल को १० वें स्थान पर रखा है। यह सेवा इंटरनेशनल के लिए एक बड़ी छलांग है। इसे २०२० में ३७५ और २०१९ में ६९०वां स्थान मिला था।संगठन को जाति, रंग, धर्म, लिंग या राष्ट्रीयता के बावजूद मानवता की सेवा के लिए विश्व स्तर पर जाना जाता है।

सेवा इंटरनेशनल के अध्यक्ष अरुण कंकानी ने बताया कि , ‘हम इन कंपनियों और उनके हजारों कर्मचारियों के आभारी हैं, जिन्होंने सेवा इंटरनेशनल को अपना उदार समर्थन देना उचित समझा। उन्होंने हमारे स्वयंसेवकों और मिशन-उन्मुख कर्मचारियों द्वारा संकट के समय में मानवता की सेवा करने के लिए हमारे समर्पण के साथ-साथ इच्छा, उद्यम, और कुशलतापूर्वक, जल्दी और पेशेवर रूप से समर्थन देने की प्रतिबद्धता दोनों को देखा। हमारे काम और हमारी स्थिति की यह मान्यता हमें अमेरिका और दुनिया भर में संकट के समय में समाज की सहायता के लिए आने के अपने प्रयासों को फिर से समर्पित करने के लिए उत्साहित करेगी।

कोविड -१९ की घातक दूसरी लहर ने पिछले साल अप्रैल में भारत को प्रभावित किया। चिकित्सा ऑक्सीजन, अस्पताल में बिस्तर, दवाओं आदि की मांग में अचानक वृद्धि हुई। सेवा इंटरनेशनल जरूरतमंदों को मानवीय सेवाएं प्रदान करने में सबसे आगे था। सेवा इंटरनेशनल के उपाध्यक्ष संदीप खडकेकर (मार्केटिंग और फंड डेवलपमेंट) ने कहा, ‘भारत के कोविड -१९ संकट का समर्थन करने वाले गैर-लाभकारी संस्थाओं को सेवा इंटरनेशनल सहित समर्थन का मिला। इन रुझानों पर नज़र रखने और निगमों और उनके लोगों से सेवा के बढ़ते समर्थन की पहचान करने के लिए बेनेविटी को हमारा हार्दिक धन्यवाद।’ सेवा इंटरनेशनल ने अपने विजन स्टेटमेंट में कहा, ‘हम पूर्व-प्रतिष्ठित, हिंदू धर्म आधारित, मानवीय संगठन बनने की आकांक्षा रखते हैं जो निस्वार्थ भाव से और करुणा के साथ सकारात्मक प्रभाव पैदा करने के लिए कार्य करता है। हम एक ऐसी दुनिया की कल्पना करते हैं और प्रयास करते हैं जिसमें सभी लोग सद्भाव से रहते हैं, पीड़ा से मुक्त रहते हैं।’पिछले दो दशकों में उनकी गतिविधियों पर डाला हुआ एक दृष्टिक्षेप भी यह कहने के लिए पर्याप्त है कि संगठन अपने विजन स्टेटमेंट द्वारा शानदार ढंग से निर्देशित किया गया है।

लता मंगेशकर के नाम पर नेपाल में पुरस्कार स्थापना

मुंबई- नेपाल भारत सहयोग मंच द्वारा गुरूवार को वीरगंज में आयोजित लता मंगेशकर के श्रद्धांजलि समारोह में सुर साधिका

लता मंगेशकर के नाम पर नेपाल में पुरस्कार स्थापना की घोषणा की गई।भारत से बाहर लता मंगेशकर के नाम पर पहली बार नेपाल में इस पुरस्कार की स्थापना की गई है।नेपाल भारत सहयोग मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक बैद ने बताया कि उनके माता -पिता की स्मृति में स्थापित हनुमानी देवी नथमल बैद सेवा समिति द्वारा प्रत्येक वर्ष लता मंगेशकर की पुण्यतिथि के अवसर पर यह पुरस्कार दिया जाएगा।

इस पुरस्कार का नाम ‘लता मंगेशकर नेपाल प्रतिभा पुरस्कार’ रखा गया है।५१ हजार राशि का यह पुरस्कार संगीत, साहित्य, कला, संस्कृति के क्षेत्र में योगदान करने के लिए दिया जाएगा। श्रद्धांजलि सभा में सभासद डा शोभाकर पराजुली ने लता मंगेशकर के नेपाल के साथ के संबंधों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर वीरगंज स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास के महावाणिज्य दूत नीतेश कुमार ने कहा कि संगीत किसी भूगोल में सीमित नहीं रहता यह पूरे विश्व पर प्रभाव डालता है जिसका सबसे बडा उदाहरण लता जी हैं।

मंच के सलाहकार चन्द्रकिशोर ने कहा कि शस्त्र विभाजित करता है और संगीत विश्व के जनमन को जोड़ने का काम करता है जिसका प्रतीक लता मंगेशकर है।मंच के अध्यक्ष अशोक बैद ने कहा कि नेपाल भारत जन सम्बन्ध को भारतीय गीत संगीत प्रभावकारी ढंग से मजबूत बनाया है। लता मंगेशकर प्रत्येक नेपाली के मन में है और अपने परिवार के सदस्य की तरह हैं। उनके निधन से विश्व संगीत को अपूरणीय क्षति हुई है।इस अवसर में डा के के अग्रवाल, श्रुती हिरावत ,अनुप सरावगी , अजमत अली , सुनिल पंडित आदि ने लता जी का गीत गाकर श्रद्धांजलि अर्पित किया।श्रद्धांजलि सभाको संचालन नूतन सरावगी ले गरेका थिए। उक्त सभा में वीरगंज के विभिन्न क्षेत्र के संगीत प्रेमी की उल्लेखनीय उपस्थिति थी।

२०२१ में भारत का सबसे भीड़भाड़ वाला शहर था मुंबई

एक रिपोर्ट में पाया गया है की मुंबई दुनिया का सबसे भीड़भाड़ वाला शहर बन गया है। यह रिपोर्ट टॉमटॉम ट्रैफिक इंडेक्स के अनुसार, ५८ देशों के ४०४ शहरों के एक अध्ययन पर आधारित है। २०२१ में, मुंबई भारत का पाँचवाँ सबसे व्यस्त शहर और दुनिया का पाँचवाँ सबसे बड़ा शहर बन गया। टॉमटॉम ट्रैफिक इंडेक्स के मुताबिक, मुंबई में कम से कम ५३ फीसदी ट्रैफिक जाम का पता चला है। यानी मुंबई में १५ मिनट का रास्ता तय करने में आधे घंटे से ज्यादा का समय लगता है। मुंबई महाराष्ट्र की राजधानी और देश की आर्थिक राजधानी है। मुंबई में रोजगार के लिए आने वालों की संख्या भी बड़ी है। नतीजतन, मुंबई में समस्याएं बढ़ गई है। ऐसे में ट्रैफिक जाम एक बड़ी समस्या है। इस सूचकांक में बैंगलोर १०वें और दिल्ली ११वें स्थान पर है। इंडेक्स के मुताबिक, बेंगलुरु और नई दिल्ली में ४८ फीसदी ट्रैफिक जाम रहा। सूचकांक छह महाद्वीपों के ५८ देशों के ४०४ शहरों में यातायात की भीड़ की रिपोर्ट पर आधारीत है। बैंगलोर अभी भी दुनिया के शीर्ष १० सबसे भीड़भाड़ वाले शहरों में से एक है। हालांकि बेंगलुरु चार पायदान नीचे १०वें स्थान पर खिसक गया है। भीड़भाड़ वाले शहर बैंगलोर में पिछले एक साल में ट्रैफिक जाम में औसतन ३२ प्रतिशत की कमी देखी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना महामारी के पहले की तुलना में सुबह के समय ट्रैफिक ४९ फीसदी और शाम को ३७ फीसदी कम रहा। जनसंख्या में इस गिरावट के कारण, बैंगलोर दुनिया के सबसे अधिक भीड़ वाले शहरों में १०वें स्थान पर था, जबकि बैंगलोर २०१९ में छठे स्थान पर था।

जिनपिंग ने दिया झटका, अब चीन को लेकर भारतीयों को दी गई ये चेतावनी

भारत के शीर्ष मेडिकल शिक्षा रेगुलेटर नेशनल मेडिकल कमिशन ने भारतीय छात्रों को चीनी विश्वविद्यालयों में दाखिला लेने के खिलाफ चेतावनी दी है. NMC ने एक नोटिस जारी कर छात्रों को चीन के विश्वविद्यालयों में दाखिला लेने को लेकर आगाह किया है. चीन ने कोविड को देखते हुए विदेशी छात्रों के प्रवेश पर प्रतिबंध जारी रखा है. पाकिस्तान सहित कुछ देशों के छात्रों की वापसी की योजना पर चीन काम कर रहा है लेकिन भारतीय छात्रों को लेकर चीन ने स्थिति स्पष्ट नहीं की है.

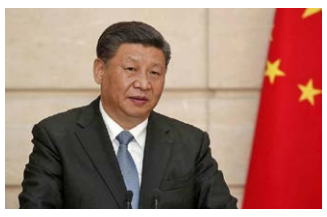

भारत के विदेश मंत्रालय ने हाल ही में बताया था कि चीन की कुछ मेडिकल यूनिवर्सिटीज वर्तमान और आगामी शैक्षणिक वर्ष के लिए शँए में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित कर रही हैं. विदेशी छात्रों के चीन में ट्रैवल बैन के बावजूद ये आवेदन लिए जा रहे हैं. विदेश मंत्रालय की तरफ से सूचना दिए जाने के बाद

NMC ने ये नोटिस जारी किया है. NMC ने कहा कि छात्र अगर चीन के विश्वविद्यालयों में शँए में दाखिला लेते हैं तो उन्हें आनेवाले समय में भी ऑनलाइन क्लासेज लेनी होंगी. और भारत के कानून के अनुसार, ऑनलाइन मेडिकल डिग्री को मान्यता नहीं दी जाती है. NMC ने अपने नोटिस में कहा है कि चीन में पढ़ने वाले हजारों भारतीय मेडिकल छात्र दो साल से अधिक समय से ट्रैवल बैन के कारण भारत में हैं. इससे उनका करियर खतरे में पड़ गया है. चीनी विश्वविद्यालयों द्वारा एमबीबीएस में प्रवेश के लिए नोटिस निकाले जाने को लेकर एनएमसी ने कहा, ’किसी भी संभावित छात्र को यह जानने की जरूरत है कि चीन की सरकार ने कोविड-१९ के मद्देनजर सख्त यात्रा प्रतिबंध लगाए हैं और नवंबर २०२० से सभी वीजा निलंबित कर दिए हैं.’ नोटिस में आगे कहा गया, ’भारतीय छात्रों सहित बड़ी संख्या में अंतर्राष्ट्रीय छात्र बैन के कारण अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए चीन नहीं लौट पाए हैं. अब तक ट्रैवल बैन में कोई ढील नहीं दी गई है.’

मंगलवार को चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा था कि वो विदेशों में फंसे हजारों अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को समन्वित तरीके से चीन में लौटने पर विचार कर रहा है. हालांकि मंत्रालय ने ये नहीं बताया कि अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए ट्रैवल बैन कबतक हटाएगा. वहीं, भारतीय छात्रों के चीन वापसी पर चीन ने कोई सटीक जवाब नहीं दिया है. बीजिंग में स्थित भारतीय दूतावास भारतीय छात्रों के मुद्दे को लगातार चीन के विदेश और शिक्षा मंत्रालय के समक्ष उठा रहा है लेकिन चीन हर बार छात्रों को वापस बुलाने का मांग को खारिज करता रहा है.

भारतीय सेना पर बनी कौन सी फिल्म पर हो गया बवाल, रक्षा मंत्रालय ने भी नहीं दी मंजूरी

देश में आर्मी और जवानों पर कई फिल्में बनाई जाती हैं. बॉलीवुड के लिए हमेशा से एक पसंदीदा जॉनर रहा है. लेकिन इस बार आर्मी पर बनी एक फिल्म रक्षा मंत्रालय ने

अपनी मंजूरी देने से मना कर दिया है. उस फिल्म को ञ्ध्य नहीं दी गई है. बीजेपी नेता वरुण गांधी ने सदन में ये मुद्दा उठाया था. उनके सवाल पर रक्षा मंत्रालय ने एक विस्तृत जवाब दिया है. वैसे जिस फिल्म को ञ्ध्य नहीं दी गई है वो एक आर्मी अफसर की कहानी है जिसकी कश्मीरी लड़के के साथ रोमांटिक रिलेशन रहती है. आसान शब्दों में ये फिल्म एक आर्मी अफसर को समलैंगिक दिखाती है. लेकिन इस फिल्म को रक्षा मंत्रालय ने मंजूरी देने से इसलिए मना कर दिया है, क्योंकि उनकी नजरों में ऐसी फिल्म भारतीय सेना को खराब छवि में दिखाती है. जवाब में इस बात पर भी जोर दिया गया कि किसी भी तरह का कोई भेदभाव नहीं किया गया है. सरकार का ये फैसला अनुच्छेद १४ का भी उल्लघंन नहीं करता है. रक्षा मंत्रालय ने कहा कि हमारा हर फैसला देश की सुरक्षा, कानून व्यवस्था, सेनाओं का अनुशासन, सेनाओं की परंपरा को आधार बनाकर लिया जाता है. रक्षा मंत्रालय की माने तो इस फैसले से अनुच्छेद १९ का भी उल्लघंन नहीं होता है क्योंकि सभी को बोलने की आजादी जरूर दी गई है, लेकिन कुछ पाबंदियां भी रहती हैं. ये भी जानकारी दी गई है कि किसी की फिल्म को इसलिए ञ्ध्य दी जाती है जिससे ये पुख्ता हो सके कि सेना को खराब छवि में नहीं दिखाया जा रहा है. हर तथ्य को सही तरीके से दिखाया जा रहा है, इस पर भी नजर रहती है.

’स्कूल-कॉलेजों में हिजाब पर प्रतिबंध धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन’, कर्नाटक विवाद पर अमेरिका

नई दिल्ली: विदेशों में धार्मिक स्वतंत्रता पर नजर रखने और रिपोर्ट करने वाली अमेरिकी सरकार की एक संस्था, अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता, ने कॉलेज कैंपस में मुस्लिम छात्राओं की हिजाब पहनने की मांग को लेकर उठे विवाद के बीच कर्नाटक की आलोचना की है. ध्इं के राजदूत रशद हुसैन ने कर्नाटक विवाद का जिक्र करते हुए ट्वीट किया, ’स्कूलों में हिजाब पर प्रतिबंध धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है.’

रशद हुसैन के कार्यालय ने ट्वीट किया, ’धार्मिक स्वतंत्रता में किसी को भी धार्मिक पोशाक चुनने की आजादी शामिल है. भारतीय राज्य कर्नाटक को धार्मिक कपड़े पहनने की अनुमति का निर्धारण नहीं करना चाहिए. स्कूलों में हिजाब प्रतिबंध धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है और यह महिलाओं और लड़कियों को कलंकित और हाशिए पर रखता है.’ दुनियाभर में धार्मिक स्वतंत्रता की बात करने वाली यह संस्था, जिसके राजदूत हुसैन हैं, अमेरिकी अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता कार्यालय के अंतर्गत आती है, जिसने भारत में धार्मिक आधार पर तनाव पर अतीत में भी टिप्पणी की है. इस बीच, कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कहा है कि वह सोमवार को हिजाब प्रतिबंधों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई फिर से शुरू करेगा. उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को अपने अंतरिम आदेश में कहा कि शैक्षणिक संस्थानों के अंदर किसी भी तरह के धार्मिक पोशाक, चाहे शॉल हो या हिजाब, की अनुमति नहीं होगी. हिजाब विवाद के चलते कर्नाटक में कक्षा ११वीं और १२वीं कक्षाएं और कॉलेज बुधवार (१६ फरवरी) तक बंद रखने का फैसला किया गया है. कर्नाटक सरकार की ओर से घोषणा की गई है कि कक्षाएं बंद रहेंगी क्योंकि हिजाब प्रतिबंध को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर हाईकोर्ट में सोमवार को सुनवाई होनी है.

मो: 9768372309

गऊ भारत भारती

क्या आप गौ माता के प्रॉडक्ट बनाते है पुरे भारत में मार्केटिंग और वितरण लिए संपर्क करे

गऊ भारत भारती

Email - gaubharatbharti@gmail.com

फोन - 8850 33 7237

व्हॉट्सअॅप नंबर - 79774 21335

Gaukkart

GAUKKART IS AN INDIAN E-COMMERCE COMPANY

अपील

स्थापना दि. 19-12-2002 रजि नं. 12344/एफ/7802/सोलापूर

श्री राधे कृष्ण गौशाला

को इस समय दान की बहुत आवश्यकता है पूरी गौशाला में चारे-पानी की बहुत कमी है। सभी गौभक्तों से निवेदन है कि इस गौशाला को मदद करें।

Bank of India
071920100000076
(IFSC Code: BKID 0000719)
Central Bank 3167615243
(IFCS Code: CBINO282523)
Pan No.: AABAR3881N
shriradhekrishngoushala@gmail.com
www.shreeradhekrishnagoshala.in

श्री शामराव विठ्ठल बाबर
संस्थापक
९३२४०८४९३१

अपीलकर्ता
गऊ भारत भारती

यह साप्ताहिक स्वामी मुद्रक व प्रकाशक संजय रमाशंकर शर्मा द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. ३/४, अमीन इंडस्ट्रीयल इस्टेट, सोनावाला'क्रॉस रोड नं. २, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- ६३, महाराष्ट्र से मुद्रित करवाकर, इर्ला सोसायटी रोड, विलेपार्ले (पश्चिम), मुंबई- ४०० ०५६ महाराष्ट्र से प्रकाशित किया।

■ संपादक - संजय रमाशंकर शर्मा, संपादकीय कार्यालय- आर-५, ४था माला, गाला नं. ४३०, अस्मी इंडस्ट्रीयल कॉम्प्लेक्स, नियर आशिर्वाद इंडस्ट्रीयल इस्टेट, राममंदिर स्टेशन (पश्चिम), गोरेगांव, मुंबई- ४००१०४ मो- ९७६८३७२५०९. फोन- ०२२-६९९९९४६६

■ कानूनी सलाहकार- अॅड. देवेंद्र सिंह / अॅड. सुरेश पांडेय (किसी भी विवाद का न्यायालय क्षेत्र मुंबई होगा) इस अख़बार में प्रकाशित लेख, समाचार से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं है। ■ gausevatimes@gmail.com ■ Email: gaubharatbharti@gmail.com RNI No. MAHMUL/2015/65928